

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ०प्र०, प्रयागराज
द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का अध्यायवार (संशोधित –कोविड 19 के प्रभाव के कारण) मासिक शैक्षिक
पंचाग
सत्र 2022–23
कक्षा–11
विषय– हिन्दी

क्र०सं०	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	01 अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होगा। गद्य एवं पद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है संत कबीर– साखी, पदावली हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास, कहानी के तत्व,
2	मई	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी–महाकवि माघ का प्रभात वर्णन, प्रेमचन्द–बलिदान, वन्दना, प्रयाग: श्यामसुन्दर दास– भारतीय साहित्य की विशेषताएँ,
3	जून	ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता सूरदास – विनय, वात्सल्य, भ्रमरगीत सदाचारोपदेश:
5	अगस्त	तुलसीदास – भरत–महिमा, कवितावली, गीतावली, दोहावली, विनयपत्रिका जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप हिमालय: काव्य सौन्दर्य के तत्व–रस, छन्द एवं अलंकार यशपाल – समय
6	सितम्बर	डॉ० सम्पूर्णानन्द –शिक्षा का उद्देश्य भूषण – शिवा शौर्य, छत्रसाल प्रशस्ति चरैवेति: चरैवेति गीतामृतम्, सुभाषचन्द्र:।
7	अक्टूबर	निबन्ध (विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद विश्वबन्धा:कवय: राहुल सांकृत्यायन– अथातो घुमक्कड जिज्ञासा अर्द्धवार्षिक लिखित परीक्षा का आयोजन
8	नवम्बर	नाटक–शेष भाग

		जैनेन्द्र कुमार- ध्रुवयात्रा
9	दिसम्बर	निबन्ध-(कृषि, सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना पर आधारित, जनसंख्या, पर्यावरण व स्वास्थ्य शिक्षा से सम्बन्धित)। संस्कृत व्याकरण- शब्द रूप, धातु रूप, प्रत्यय, विभक्ति परिचय
10	जनवरी	सड़क सुरक्षा, गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण।
11	फरवरी	वार्षिक परीक्षा का आयोजन

नोट- लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम करने के लिए हटाये गये पाठों के नाम-

गद्य-

- 1- रायकृष्ण दास- आनंद की खोज, पागल पथिक
- 2- रामवृक्ष बेनीपुरी- गेहूँ बनाम गुलाब।

पद्य-

- 1- मलिक मोहम्मद जायसी-नागमती का वियोग वर्णन
- 2- केशवदास- स्वयंवर कथा, विश्वामित्र और जनक की भेंट
- 3- कविवर बिहारी- भक्ति एवं श्रृंगार।
- 4- विविधा- सेनापति, देव और घनानन्द।

कथा साहित्य-

- 1- भगवती चरण वर्मा- प्रायश्चित्त

संस्कृत दिग्दर्शिका -

- 1- चतुरश्चौरः
- 2- लोभस्य पापस्य कारणम्

संस्कृत और हिन्दी व्याकरण

- 1- व्यंजन संधि- झलांजशझशि, खरिच, मोडनुस्वारः तोर्लि, अनुस्वारस्यययि पर सवर्णः।
- 2- विसर्ग संधि - अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि।
- 3- समास- बहुब्रीहि।
- 4- संज्ञा- राजन्, जगत् सरित्।
- 5- सर्वनाम- सर्व, इदम्, यद्।
- 6- धातु रूप- (परस्मैपदी) दा, कृ, चूर्।
- 7- प्रत्यय- तब्यत्, अनीयर्।

वतुप्

विभक्ति- स्वधालंबषट्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम्।

काव्य सौन्दर्य के तत्व- छन्द-

- 1- वर्णवृत्त- इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)
- 2- मुक्तक- मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ०प्र०, प्रयागराज
द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का अध्यायवार (संशोधित –कोविड 19 के प्रभाव के कारण) मासिक
शैक्षिक पंचाग
सत्र 2022–23
कक्षा–11
विषय– सामान्य हिन्दी

क्र०सं०	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	01 अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होगा। गद्य एवं पद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
2	मई	संत कबीरदास – साखी, पदावली कहानी का उद्भव एवं विकास, कहानी के तत्व आदि। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी– महाकवि माघ का प्रभात वर्णन
3	जून	ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	प्रेमचन्द –बलिदान वन्दना, प्रयाग: डॉ० सम्पूर्णानन्द – शिक्षा का उद्देश्य
5	अगस्त	सूरदास – विनय, वात्सल्य, भ्रमरगीत सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता तुलसीदास– भरत–महिमा, कवितावली, गीतावली, दोहावली, जयशंकर प्रसाद – आकाशद्वीप
6	सितम्बर	संस्कृत व्याकरण – शब्द रूप काव्य सौन्दर्य के तत्व– रस, छन्द, अलंकार। निबन्ध (विज्ञान, वाणिज्य शिक्षा) नाटक (आधा भाग) संस्कृत व्याकरण (संधि एवं शब्द रूप)
7	अक्टूबर	महाकवि भूषण – शिवा शौर्य, छत्रसाल प्रशस्ति हिमालय: गीतामृतम हिन्दी व्याकरण, (शब्द रचना एवं वाक्य रचना) राहुल सांकृत्यायन– अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा। अर्द्धवार्षिक लिखित परीक्षा का आयोजन

8	नवम्बर	हिन्दी व्याकरण (लोकोक्ति एवं मुहावरे) पत्रलेखन सदाचारोपदेश: नाटक – (शेष भाग)
9	दिसम्बर	निबन्ध – (कृषि, सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना पर आधारित निबन्ध, जनसंख्या, पर्यावरण व स्वास्थ्य शिक्षा इत्यादि)
10	जनवरी	सड़क सुरक्षा गंगा संरक्षण एवं पर्यावरण।
11	फरवरी	वार्षिक परीक्षा का आयोजन

नोट— लगभग 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम करने के लिए हटाये गये पाठों के नाम—

गद्य—

1— रामवृक्ष बेनीपुरी— गेहूँ बनाम गुलाब।

पद्य—

1— कविवर बिहारी— भक्ति एवं श्रृंगार।

कथा साहित्य—

1— भगवती चरण वर्मा— प्रायश्चित्त

2— यशपाल— समय।

संस्कृत दिग्दर्शिका —

1— लोभस्य पापस्य कारणम्

संस्कृत और हिन्दी व्याकरण

1— संज्ञा— राजन्, जगत् सरित्।

2— सर्वनाम— सर्व, इदम्, यद्।